ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६३
दिनांक-शुक्रवार,३१ अगस्त,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.० एवं २६.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९१ सुबह में एवं दोपहर में ७४ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.९ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.२ एवं दोपहर में ३२.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में २३.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१ से ५ सितम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १ से ५ सितम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मानसून की सक्रियता बने रहने का अनुमान है, जिसके चलते वर्षा की संभावना में वृद्धि हो सकती है। आसमान में मानसून के हल्के से मध्यम बादल अधिकतर समय छाये रहने की संभावना है। घने बादल भी बन सकते है। पूर्वानुमानित अवधि के दौरान अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३१ से ३४ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ८ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने का अनुमान है। हलाकि ३ सितम्बर को कुछ स्थानों में पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ८० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सितम्बर अरहर की *पूसा-९ एवं शरद* प्रभेद की बुआई उचॅास जमीन में करे। उत्तर बिहार के लिए यह अनुसंशित प्रभेद है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए *प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड* किस्में अनुशंसित है।
- मूली की अगात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए *पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त* आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ X१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- परवल की *राजेन्द्र परवल-१, राजेन्द्र परवल-२, एफ०पी०-१, एफ०पी०-३, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई०आई०भी०आर०-१* आदि किस्मों की रोपनी सम्पन्न कर लें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें ।
- उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। बीमार पौधों की पत्तियों पर पीले सुनहरे चकत्ते पायें जाते है एवं बीमारी की उग्र अवस्था में पूरी पत्ती पिली पड़ जाती है। पत्तियॉं आकार में छोटी हो जाती है। पुष्प एवं फलन प्रभावित हो जाती है। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगरानी करें। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तिया सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते है जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी-कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड @ ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- धान की फसल में पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनो किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते है तथा पत्तियों की हरीत्तिमा को खाता है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- दुधारु पशुओं को जीवाणु जनित बीमारीयों से बचाने के लिए वर्षा या बाढ़ के पानी में भिंगे चारा या भूसा नहीं खिलाए। पशु के पैरों को फिटकिरी के पानी या पोटाशियम परमैगनेट के घोल से धोये। थनैला रोग से बचाव के लिए दुध दुधाई के आधे घंटे बाद तक पशुओं को बैठने न दें। दुधाई के बाद जीवाणुनाशक घोल से थनों को धो दें। सबक्लीनीकल मस्टिटिस की जाँच के लिए दुध का पी.एच. लिटमस पेपर से देखें। पी.एच. ७ से अधिक होने पर मैमिडियम, मास्टीकील, मैमीअप दवाओं का प्रयोग करें एवं खनिज मिश्रण ५० ग्राम प्रति दिन दें। पशु गृह को हवादार रखें एवं नियमित रूप से साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः२६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी